Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

फरवरी (संग्रह)

2024

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- झारखंड के नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन 3
- भ्रष्टाचार के मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री गिरफ्तार 3
- झारखंड के मुख्यमंत्री अबुआ आवास योजना की पहली किस्त वितरित करेंगे 4
- झारखंड के मुख्यमंत्री ने पलामू पाइपलाइन परियोजना की नींव रखी 4
- लसीका फाइलेरिया 5
- झारखंड में जाति जनगणना 7
- झारखंड ग्रामीण बस योजना 7
- शहरी आजीविका पर राष्ट्रीय कार्यशाला 8
- प्रधानमंत्री ने वर्चुअली झारखंड में स्वास्थ्य परियोजनाओं की नींव रखी 9
- झारखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 25 के लिये बजट पेश किया 10
- राष्ट्रपति झारखंड और ओडिशा के चार दिवसीय दौरे पर 10

नोट :

झारखंड

झारखंड के नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) विधायक दल ने परिवहन मंत्री चंपई सोरेन को विधायक दल का नेता चुना।

मुख्य बिंदु:

- झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद प्रवर्तन निदेशालय द्वारा हेमंत सोरेन को भूमि घोटाला मामले में गिरफ्तार कर लिया गया।
  - यह इस्तीफा ED के अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री से राँची में उनके आधिकारिक आवास पर सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ करने के बाद आया।
  - झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा इस्तीफा को स्वीकार कर लिया गया।
- झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के वरिष्ठ नेता और परिवहन मंत्री चंपई सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया।
- चंपई सोरेन सरायकेला से पाँच बार विधायक चुने गए। 1990 के दशक में उन्होंने JMM संरक्षक शिबू सोरेन के साथ अलग झारखंड राज्य के निर्माण के आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ED)

- प्रवर्तन निदेशालय (ED) एक बहु-अनुशासनात्मक संगठन है जो मनी लॉन्ड्रिंग (अवैध धन को वैध करना) के अपराधों और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन की जाँच करता है।
  - यह वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अधीन कार्य करता है।
- भारत सरकार की एक प्रमुख वित्तीय जाँच एजेंसी के रूप में ED भारत के संविधान और कानूनों के सख्त अनुपालन में कार्य करता है।

भ्रष्टाचार के मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री गिरफ्तार

चर्चा में क्यों ?

झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) पार्टी के हेमंत सोरेन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है तथा सात घंटे की पूछताछ के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्य बिंदु:

- JMM पार्टी ने परिवहन मंत्री चंपई सोरेन को पूर्वी राज्य का अगला मुख्यमंत्री नामित किया है।
  - उनके खिलाफ मामला राँची शहर में कथित तौर पर उनके स्वामित्व वाली ज़मीन के एक हिस्से से संबंधित है।
  - ED के अनुसार, यह संपत्ति भारतीय सेना के स्वामित्व वाली ज़मीन को अवैध रूप से बेचकर "प्रोसेड्स ऑफ क्राइम" के माध्यम से खरीदी गई थी।
  - हेमंत सोरेन ने आरोप से इनकार करते हुए दावा किया है कि संपत्ति पर "स्वामित्व का आरोप गलत तरीके से लगाया गया है"।
  - ने उनके खिलाफ जाँच को राजनीति से प्रेरित "विच-हंट" बताया है।
- कई अन्य मुख्यमंत्रियों और विपक्षी नेताओं पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं।

नोट :

झारखंड के मुख्यमंत्री अबुआ आवास योजना की पहली किस्त वितरित करेंगे

चर्चा में क्यों ?

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने अबुआ आवास योजना के पहले चरण में कोल्हान क्षेत्र के 24,827 परिवारों को स्वीकृति पत्र और पहली किस्त वितरित की।

मुख्य बिंदु:

- योजना के पहले चरण में, मुख्यमंत्री कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम ज़िले, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावाँ ज़िले के परिवारों को 30,000 रुपए की पहली किस्त के साथ स्वीकृति पत्र सौंपेंगे, जो प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से उनके बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।
- पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने बेघरों और प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) के तहत लाभ से वंचित व्यक्तियों को घर उपलब्ध कराने के लिये 15 नवंबर 2023 को अबुआ आवास (आवास) योजना शुरू की थी।
  - इस योजना में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत या अन्य समर्पित स्रोतों के अभिसरण के माध्यम से शौचालय बनाने में सहायता के प्रावधान भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)

- यह एक सरकारी पहल है जिसका लक्ष्य वर्ष 2024 तक 2 करोड़ (20 मिलियन) घर बनाना और शहरी गरीबों को किफायती घर उपलब्ध कराना है।
- इस योजना के दो बुनियादी घटक हैं::
  - प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी (PMAY-U) गरीब शहरी व्यक्तियों की आवास आवश्यकताओं पर ध्यान देती है। शहरी गरीबों को तीन क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है, जो वार्षिक घरेलू आय पर निर्भर करते हैं:
    - (i) आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (EWS), (ii) निम्न आय समूह (LIG) (iii) मध्यम आय समूह (MIG)। इसके अतिरिक्त, शहरी आबादी के भीतर झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग भी इस योजना के लिये आवेदन कर सकते हैं।
- प्रधान मंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-R) ग्रामीण भारत में रहने वाले आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों को संपत्ति का स्वामी बनाने में सहायता करने के लिये लाई गई है। ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों में आवासों में सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ जैसे विद्युत, स्वच्छ जल, एक अच्छी तरह से विकसित सीवेज प्रणाली, स्वच्छता सुविधा आदि होंगी।

स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण (SBM-G):

- इसे जल शक्ति मंत्रालय द्वारा सार्वभौमिक स्वच्छता कवरेज प्राप्त करने के प्रयासों में तेज़ी लाने और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने के लिये लॉन्च किया गया था।
- इस मिशन को एक राष्ट्रव्यापी अभियान/जनआंदोलन के रूप में लागू किया गया था जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच या ODF को समाप्त करना था।

अबुआ आवास योजना (AAY)

- इस योजना के तहत अगले दो वर्ष में लगभग 15 हज़ार करोड़ रुपए से ज़्यादा खर्च कर राज्य सरकार अपनी निधि से ज़रूरतमंद लोगों को आवास उपलब्ध कराएगी।
- योजना के तहत गरीबों, वंचितों, मज़दूरों, किसानों, आदिवासियों, पिछड़ों और दलितों को 3 कमरे के आवास उपलब्ध करवाएँ जाएँगे।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने पलामू पाइपलाइन परियोजना की नींव रखी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड के मुख्यमंत्री ने 456.52 करोड़ रुपए की पलामू पाइपलाइन सिंचाई परियोजना की आधारशिला रखी, जिसका लक्ष्य पूरे वर्ष सिंचाई जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

नोट :

मुख्य बिंदु:

- सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र की नदियों और सूखा प्रभावित पलामू ज़िले के विभिन्न ब्लॉकों में छोटे बांधों को पाइपलाइनों के माध्यम से जोड़ना है ताकि सभी मौसमों में जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।
  - यह परियोजना पलामू ज़िले के चैनपुर और मेदिनीनगर, सतबरवा, बिश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, हैदरनगर तथा मोहम्मदगंज ब्लॉक को शामिल करेगी।
- इस परियोजना से जुड़ने वाले प्रमुख जल निकायों में रानीताल बांध, टेमरेन बांध, बुटांडुबा बांध, मलय बांध, पोस्तिया बांध, पनघटवा बांध, कचरवाटांड बांध, कुंडलवा बांध, वहीवधवा बांध, बतरे बांध, धनकई बांध, ताली बांध, सुखनदिया बांध और कर्मकलां बांध शामिल हैं।

लसीका फाइलेरिया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने लसीका फाइलेरिया (लिम्फैटिक फाइलेरियासिस) उन्मूलन के लिये द्वि-वार्षिक राष्ट्रव्यापी मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (MDA) अभियान का पहला चरण शुरू किया।

मुख्य बिंदु:

- लसीका फाइलेरिया, जिसे आमतौर पर हाथीपाँव रोग (एलिफेंटियासिस) के रूप में जाना जाता है, परजीवी संक्रमण के कारण होने वाला एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (Neglected Tropical Disease- NTD) है जो संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलता है।

नोट :

- वर्ष 2021 में लगभग 44 देशों में 882 मिलियन से अधिक लोग हाथीपाँव रोग/लसीका फाइलेरिया (Lymphatic Filariasis) के खतरे का सामना करते हैं और उन्हें निवारक कीमोथेरेपी (Preventive Chemotherapy) की आवश्यकता होती है।
- LF भारत में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है। वर्तमान में, देश के 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 345 लिम्फैटिक फाइलेरिया स्थानिक ज़िले हैं।
  - MDA के 75% ज़िले 5 राज्यों बिहार, झारखंड, यूपी, ओडिशा और तेलंगाना से हैं।
- LF शहरी गरीबों में अधिक प्रचलित है और ग्रामीण आबादी के सभी वर्गों को प्रभावित करता है।
- इसका संक्रमण बचपन में शुरू होता है और वयस्कता तक बढ़ता है, जिसके परिणामस्वरूप अपरिवर्तनीय दीर्घकालिक रोग की स्थिति उत्पन्न होती है।
  - यह बीमारी कलंक, मानसिक पीड़ा, सामाजिक अभाव और आर्थिक हानि पहुँचाती है तथा प्रभावित समुदायों में गरीबी का एक प्रमुख कारण है।
- लसीका फाइलेरिया, फिलारियोडिडिया परिवार के नेमाटोड (राउंडवॉर्म) के रूप में वर्गीकृत परजीवियों के संक्रमण के कारण होता है।
- ये धागे जैसे फाइलेरिया कृमि 3 प्रकार के होते हैं:
  - वुचेरेरिया बैन्क्रॉफ्टी (Wuchereria Bancrofti), जो 90% मामलों के लिये उत्तरदायी होता है।
  - ब्रुगिया मलाई (Brugia Malayi), जो शेष अधिकांश मामलों का कारण बनता है।
  - ब्रुगिया टिमोरी (Brugiya Timori), भी इस रोग का कारण है।
- भारत की पहल:
  - MDA अभियान वर्ष में दो बार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (10 फरवरी और 10 अगस्त) के साथ समन्वयित किया जाता है।
  - भारत वैश्विक लक्ष्य से तीन वर्ष पहले वर्ष 2027 तक LF को खत्म करने के लिये प्रतिबद्ध है।

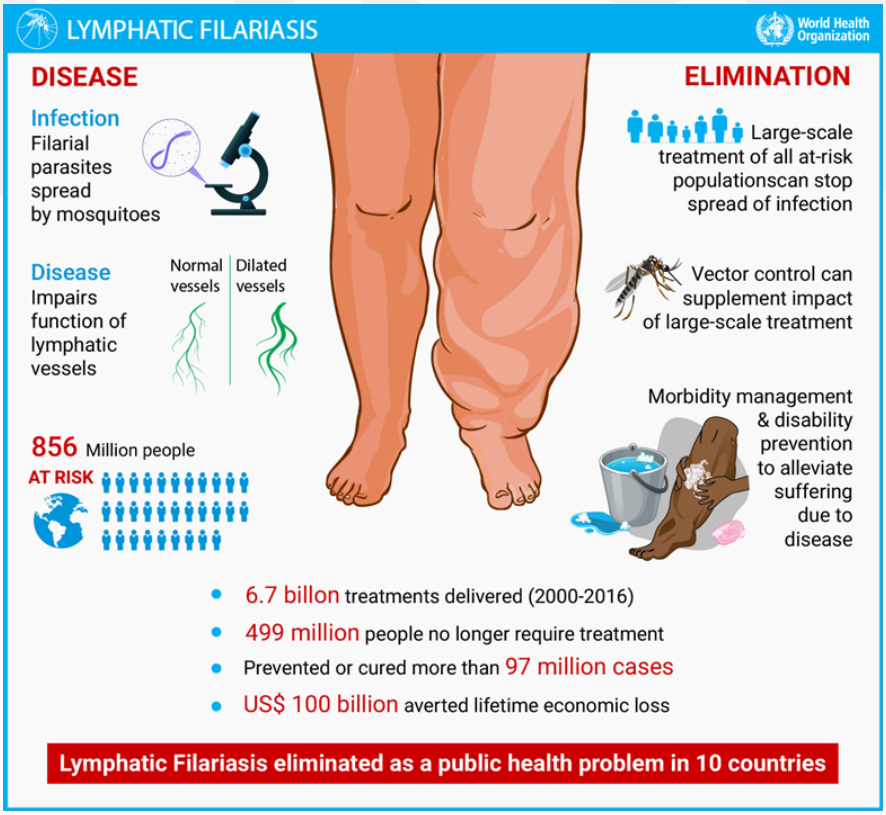

नोट :

झारखंड में जाति जनगणना

चर्चा में क्यों ?

झारखंड में जल्द ही पड़ोसी राज्य बिहार की तर्ज पर राज्य में जाति जनगणना होगी।

मुख्य बिंदु:

- सीएम ने कार्मिक विभाग को एक मसौदा (सर्वेक्षण करने के लिये SoP) तैयार करने और इसे मंज़ूरी के लिये कैबिनेट के समक्ष रखने का निर्देश दिया है।
- झारखंड में जाति आधारित सर्वेक्षण 7 जनवरी से 2 अक्तूबर 2023 के बीच एकत्र आँकड़ों के आधार पर किया जाएगा।

जनगणना:

- जनगणना की उत्पत्ति:
  - भारत में जनगणना की शुरुआत वर्ष 1881 की औपनिवेशिक काल के समय हुई थी।
  - जनगणना कार्य का विकास होता गया जिसका प्रयोग सरकार, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और अन्य व्यक्तियों द्वारा भारतीयों की जनसंख्या पर डेटा एकत्र करने, संसाधनों तक पहुँच बनाने, सामाजिक परिवर्तन की रूपरेखा बनाने, परिसीमन अभ्यास आदि के लिये किया जाता है।
- सामाजिक-आर्थिक और जाति-जनगणना (Socio-Economic and Caste Census- SECC) के रूप में पहली जाति जनगणना:
  - इसे SECC पहली बार वर्ष 1931 में आयोजित किया गया था।
  - SECC का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में प्रत्येक भारतीय परिवार से आँकड़े एकत्रित करना तथा उनसे जुड़े निम्नलिखित तथ्यों के बारे में पूछताछ करना है:
    - आर्थिक स्थिति, केंद्र और राज्य अधिकारियों को अभाव, क्रमपरिवर्तन एवं संयोजन के विभिन्न संकेतक विकसित करने की अनुमति देती है, जिसका उपयोग प्रत्येक प्राधिकरण एक गरीब या वंचित व्यक्ति को नामित करने के लिये किया जा सके।
    - इसका मतलब प्रत्येक व्यक्ति से उनकी विशिष्ट जाति का नाम पूछना भी है ताकि सरकार को यह पुनर्मूल्यांकन करने में मदद मिल सके कि कौन-सी जाति समूह आर्थिक रूप से पिछड़े थे और कौन-से बेहतर थी।
- जनगणना और SECC के बीच अंतर:
  - जनगणना भारतीय जनसंख्या का वर्णन करता है, जबकि SECC राज्य सरकार द्वारा समर्थित लाभार्थियों की पहचान करने का एक उपकरण है।
  - चूँकि जनगणना जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत आती है, इसलिये सभी डेटा को गोपनीय माना जाता है, जबकि SECC वेबसाइट के अनुसार, "SECC में दी गई सभी व्यक्तिगत जानकारियाँ सरकारी विभागों द्वारा परिवारों को लाभ प्रदान करने और/या लाभों से प्रतिबंधित करने हेतु उपयोग के लिये उपलब्ध होती।"

झारखंड ग्रामीण बस योजना

चर्चा में क्यों ?

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की महत्त्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना' (MMGGY) शुरू की, जो दूरदराज़ के क्षेत्रों में बस सेवाओं की सुविधा के लिये एक ग्रामीण परिवहन योजना है।

मुख्य बिंदु:

- योजना का प्राथमिक उद्देश्य ब्लॉकों, उपखंडों और ज़िला मुख्यालयों के बीच कनेक्टिविटी स्थापित करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दूरदराज़ के गाँवों के निवासियों को सुविधाजनक परिवहन प्रणाली तक पहुँच प्राप्त हो।

नोट :

- ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 15,000 किमी. सड़कें बनाई जा रही हैं। वरिष्ठ नागरिकों, स्कूल एवं कॉलेज के छात्रों, शारीरिक रूप से दिव्यांग, ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (HIV) पॉजिटिव, विधवाओं और झारखंड आंदोलन के कार्यकर्त्ताओं को बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।
  - योजना के पहले चरण के तहत सरकार ने 250 वाहनों को संचालित करने का निर्णय लिया है। ऑपरेटरों को आकर्षित करने के लिये परमिट, पंजीकरण और फिटनेस शुल्क भी घटाकर 1 रुपए कर दिया गया है।
- सीएम के मुताबिक, रांची, गुमला और लोहरदगा के 24 हज़ार से ज़्यादा लाभार्थियों को अबुआ आवास योजना का स्वीकृति पत्र दिया गया।
  - लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रथम किस्त के रूप में 72.35 करोड़ रुपए की धनराशि हस्तांतरित की गई।
    - तीन माह बाद योजना के तहत नौ लाख आवास आवंटित किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री ग्रामीण गाड़ी योजना

- यह झारखंड सरकार द्वारा वर्ष 2023 में ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आसान परिवहन सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक योजना है।
- यह योजना उन क्षेत्रों में वाहनों का संचालन करेगी जहाँ लोगों को मुख्य सड़क या निकटतम शहर तक पहुँचने के लिये कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।
- इससे किसानों, मज़दूरों, छात्रों, मरीज़ों और अन्य ग्रामीण नागरिकों को लाभ होगा जिन्हें परिवहन विकल्पों की कमी के कारण आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

अबुआ आवास योजना (AAY)

- इस योजना के तहत अगले दो वर्ष में लगभग 15 हज़ार करोड़ रुपए से ज़्यादा खर्च कर राज्य सरकार अपनी निधि से ज़रूरतमंद लोगों को आवास उपलब्ध कराएगी।
- योजना के तहत गरीबों, वंचितों, मज़दूरों, किसानों, आदिवासियों, पिछड़ों और दलितों को 3 कमरे के आवास उपलब्ध करवाएँ जाएंगे।

शहरी आजीविका पर राष्ट्रीय कार्यशाला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के सहयोग से आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (Deendayal Antyodaya Yojana-National Urban Livelihoods Mission- DAY-NULM) के तहत रांची में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला बुलाई।

मुख्य बिंदु:

- कार्यशाला ने शहरी आजीविका में उभरते रुझानों और अवसरों पर उच्च स्तरीय विचार-विमर्श के लिये एक मंच के रूप में कार्य किया, जिसमें शहरी भारत में महिलाओं के लिये लचीलापन एवं सशक्तीकरण को बढ़ावा देने पर प्राथमिक ध्यान दिया गया।
  - प्रतिभागियों में राज्य शहरी आजीविका मिशन के राज्य मिशन निदेशक, MoHUA और झारखंड राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, UNDP भारत के वरिष्ठ अधिकारी, अग्रणी क्षेत्र के विशेषज्ञ एवं अनुसंधान संस्थानों, स्टार्ट-अप, परोपकार तथा दाता संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे।
- इस कार्यक्रम में महिलाओं के नेतृत्व वाली शहरी आजीविका और जलवायु, सेवाओं, खुदरा एवं विनिर्माण में उभरते क्षेत्रों तथा उद्यमों के प्रकार को बढ़ावा देने के लिये सक्षम रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करने पर चर्चा हुई।
- इसने बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों तथा नवीन वित्तीय निवेशों की पहचान के माध्यम से शहरी गरीबी के मुद्दों को संबोधित करने में परोपकार की भूमिका जैसे अन्य विषयों का भी पता लगाया।

नोट :

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक

- राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के तीन समान रूप से भारित आयामों में एक साथ अभाव को मापती है जो 12 सतत् विकास लक्ष्य-संरेखित संकेतकों द्वारा दर्शाए जाते हैं।
  - इनमें पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृ स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, खाना पकाने का ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, आवास, संपत्ति और बैंक खाते शामिल हैं।
- MPI की वैश्विक कार्यप्रणाली मज़बूत अलकिरे और फोस्टर (AF) पद्धति पर आधारित है जो तीव्र गरीबी का आकलन करने के लिये डिज़ाइन किये गए सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत मैट्रिक्स के आधार पर लोगों को गरीब के रूप में पहचानती है, जो पारंपरिक मौद्रिक गरीबी उपायों हेतु एक पूरक परिप्रेक्ष्य प्रदान करती है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM)

- यह मिशन वर्ष 2014 में लॉन्च किया गया था और इसे आवास तथा शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- इसका उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से स्थायी आजीविका के अवसरों में वृद्धि करके शहरी गरीबों का उत्थान करना है।
- यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीयन का अनुपात 75:25 होगा। पूर्वोत्तर राज्यों तथा विशेष श्रेणी के लिये यह अनुपात 90:10 का होगा।
- इसके लक्षित लाभार्थी शहरी गरीब (सड़क विक्रेता, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले, बेघर, कूड़ा बीनने वाले), बेरोज़गार और दिव्यांग हैं।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम वर्ष 1951 से भारत में मानव विकास के लगभग सभी क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।
- भारत सरकार और विकास भागीदारों के साथ मिलकर गरीबी उन्मूलन, असमानताओं को कम करने, स्थानीय शासन को मज़बूत करने, सामुदायिक लचीलेपन को बढ़ाने, पर्यावरण की रक्षा, नीतिगत पहल और संस्थागत सुधारों का समर्थन करने तथा सभी के लिये सतत् विकास को गति प्रदान करने हेतु कार्य करता है।

प्रधानमंत्री ने वर्चुअली झारखंड में स्वास्थ्य परियोजनाओं की नींव रखी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में करीब 177 करोड़ रुपए की विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया।

मुख्य बिंदु:

- पीएम-एभीएम (आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन) के तहत, परियोजनाओं में दो नर्सिंग कॉलेज, चार क्रिटिकल केयर ब्लॉक (CCB) और तीन ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (BPHU) शामिल हैं।
  - नर्सिंग कॉलेजों का निर्माण कोडरमा मेडिकल कॉलेज और फूलो झानो मेडिकल कॉलेज दुमका में किया जाएगा।
  - चार CCB चार अलग-अलग ज़िलों में स्थापित किये जाएंगे, जिनमें एक राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज (RIMS), राँची भी शामिल है।
  - देवघर ज़िले में तीन BPHU की स्थापना की जायेगी।

पीएम-एभीएम (आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन)

- वर्ष 2021 में लॉन्च की गई, यह देश भर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी अवसंरचना को मज़बूत करने के लिये सबसे बड़ी अखिल भारतीय योजनाओं में से एक है।
- इसके उद्देश्य में शामिल हैं:
  - शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एक मज़बूत सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी अवसंरचना सुनिश्चित करना, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों या बीमारी के प्रकोप का जवाब देने में सक्षम हो।

नोट :

- ब्लॉक, ज़िला, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के माध्यम से एक IT-सक्षम रोग निगरानी प्रणाली स्थापित करना।

झारखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 25 के लिये बजट पेश किया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये 1.28 लाख करोड़ रुपए का बजट विधानसभा में पेश किया।

मुख्य बिंदु:

- वित्तीय वर्ष 25 के बजटीय अनुमान में वित्तीय वर्ष 24 के वार्षिक वित्तीय विवरण से 10% से अधिक की वृद्धि हुई।
  - झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिये 1.16 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया था।
- नवगठित चंपई सोरेन सरकार का यह पहला बजट था।
- बजट गरीब लोगों, किसानों, आदिवासियों और महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करेगा तथा राज्य के समग्र विकास को गति देगा।

राष्ट्रपति झारखंड और ओडिशा के चार दिवसीय दौरे पर

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड और ओडिशा के चार दिवसीय दौरे पर हैं।

मुख्य बिंदु:

- राष्ट्रपति रांची में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह और भांजा बिहार में बरहामपुर विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी।
- वह इसकी आधारशिला रखेंगी:
  - रायरंगपुर, ओडिशा में केंद्र सरकार का हॉलिडे होम।
  - रायरंगपुर में विभिन्न सड़क परियोजनाएँ और एक खेल परिसर।
- वह क्योंझर के गोनासिका में कदलीबाड़ी गाँव के विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी।
  - वह उद्घाटन करेंगी:
  - बरसही में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय।
- 'क्योंझर की जनजातियों: जनसमूह, संस्कृति एवं विरासत' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगी और नॉर्थ कैंपस में धरणीधर विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करेंगी।
- इसके बाद में वे कटक में ओडिशा ब्रह्माकुमारीज के स्वर्ण जयंती समारोह की शोभा बढ़ाएंगी। राष्ट्रपति मुर्मु भुवनेश्वर स्थित राजभवन में ओडिशा सरकार द्वारा पीएम जनमन की प्रस्तुति देखेंगी।
- वह ओडिशा के संबलपुर ज़िले में संथा कबी भीमा भोई से संबंधित विभिन्न स्थानों का दौरा करेंगी और मिनी स्टेडियम, संबलपुर में महिमा पंथ के अनुयायियों से भी मिलेंगी।

विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTGs)

- PVTG एक अनुसूचित जनजाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उस वर्ग का उप-वर्गीकरण है जिसे नियमित अनुसूचित जनजाति की तुलना में अधिक असुरक्षित माना जाता है। भारत सरकार ने उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिये PVTG सूची बनाई।
  - भारत में 75 PVTG हैं जिसमें सबसे अधिक 13 ओडिशा में हैं तथा इसके बाद 12 आंध्र प्रदेश में हैं।

नोट :

- अनुच्छेद 342(1): किसी भी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के संबंध में राष्ट्रपति (राज्य के मामले में राज्यपाल से परामर्श के बाद) उस राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में जनजातियों/आदिवासी समुदायों/जनजातियों/आदिवासी समुदायों के हिस्से या समूहों को अनुसूचित जनजाति के रूप में निर्दिष्ट कर सकते हैं।
  - किसी भी जनजाति, आदिवासी समुदाय, या किसी जनजाति तथा आदिवासी समुदाय के हिस्से एवं समूह को कानून के माध्यम से संसद द्वारा अनुच्छेद 342(1) के तहत जारी अधिसूचना में निर्दिष्ट ST की सूची में शामिल किया जा सकता है या हटाया जा सकता है; हालाँकि जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, को छोड़कर उक्त खंड के तहत जारी अधिसूचना किसी भी बाद की अधिसूचना से भिन्न नहीं होगी।

प्रधानमंत्री-जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (PM-JANMAN) योजना

- पीएम-जनमन एक सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों को मुख्यधारा में लाना है।
- यह योजना (केंद्रीय क्षेत्र तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के एकीकरण) जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा राज्य सरकारों एवं PVTG समुदायों के सहयोग से कार्यान्वित की जाएगी।
- यह योजना 9 संबंधित मंत्रालयों द्वारा देख-रेख किये जाने वाले 11 महत्त्वपूर्ण कार्यप्रणालियों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो PVTG वाले गाँवों में मौजूदा योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगी।
  - इसमें पीएम-आवास योजना के तहत सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।
- इस योजना में वन उपज के व्यापार के लिये वन धन विकास केंद्रों की स्थापना, 1 लाख घरों के लिये ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली तथा सौर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था शामिल है।
- इस योजना से PVTG के साथ भेदभाव एवं उनके बहिष्कार के विविध व प्रतिच्छेदन रूपों का समाधान कर राष्ट्रीय एवं वैश्विक विकास में उनके अद्वितीय व मूल्यवान योगदान को मान्यता और महत्त्व देकर PVTG के जीवन की गुणवत्ता तथा कल्याण में वृद्धि होने की उम्मीद है।

संथा कवि भीमा भोई

- भीमा भोई 19वीं सदी के ओडिशा राज्य के संत, कवि और समाज सुधारक थे।
- वह महिमा पंथ के संस्थापक महिमा स्वामी के अनुयायी थे।
- उन्हें उनकी आध्यात्मिक शिक्षाओं और उड़िया भजन तथा चौतिसा (भक्ति गीत) के रूप में साहित्यिक योगदान के लिये जाना जाता है।
- स्तुति चिंतामणि भीमा भोई की सबसे महत्त्वपूर्ण काव्य कृति मानी जाती है।
  - अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यों में ब्रह्म निरूपण गीता, अष्टक बिहारी गीता, चौतिसा मधु चक्र और भजनमाला शामिल हैं। दो संग्रह, अथा भजन और बंगला अथा भजन बंगाली भाषा में लिखे गए हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :